

कक्षा - शास्त्री

विषय: - दर्शनम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : प्रथमम्

| विषय गूडाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यांशः तर्कभाषा दर्शनतत्त्वसमीक्षाम् | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| 201.5 | प्रथमम् | | | १०० | ९० होराः | ०४ |
| | | १ | न्यायवैशेषिकदर्शनान्तर्गतं कर्म-सामान्य-विशेष-समवायाभाव- पदार्थानां स्वरूपम् | २० | - | १ |
| | | २ | सांख्यदर्शने प्रकृतिस्वरूपम्, पुरुषस्वरूपम् गुणस्वरूपम् सृष्टिक्रमश्च | २० | - | १ |
| | | ३ | योगदर्शने प्रमाणस्वरूपम्, ईश्वरस्वरूपम्, समाधिपादः (सम्पूर्ण) | २० | - | १ |
| | | ४ | मीमांसादर्शने विधिस्वरूपम् (अर्थसंग्रहदिशा), वेदान्तदर्शने समस्तवादस्वरूपम्, जीवस्वरूपम्, मोक्षस्वरूपम् | २० | - | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

1. तर्कभाषा - गजाननशास्त्रीमुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
2. सांख्यतत्त्वकौमुदी - गजाननशास्त्रीमुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
3. सांख्यकारिका - ज्वाला प्रसाद गौड, चौखम्बा विद्या भवन
4. पातञ्जलयोगदर्शनम् (भोजवृत्ति) - डॉ. बीना अग्रवाल, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
5. अर्थसंग्रहः - कामेश्वर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशक
6. वेदान्तसारः - बट्टीनाथशुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान

गिरिकान्त तिवारी

कक्षा - शास्त्री
विषय: - पर्यावरण-अध्ययनम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : द्वितीयपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | पर्यावरण, परिस्थिकी तंत्र, परिस्थिकी तंत्र के प्रकार, वन एवं जल, खनिज सम्पदा, खाद्य, उर्जा, जैव, भौगोलिक एवं जैव विविधता। | २० | २२ | १ |
| 102.1 | द्वितीयपत्रम् | २ | वन एवं संरक्षण, प्रदूषण, ठोस कचरा तथा प्राकृतिक आपदाओं का प्रबन्धन, जलवायु, परिवर्तन एवं पर्यावरण कानून, मानव जनसंख्या, पर्यावरण सम्बन्धी आंदोलन एवं संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना। | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः। | १० | - | - |

अथवा

विषयः - आङ्गल-सम्प्रेषणम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : द्वितीयपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | Theory of Communication An Introduction, Language of Communication. | २० | २२ | १ |
| | | २ | Speaking Skills, Reading and Understanding & Writing Skills. | २० | २३ | १ |
| 102.2 | द्वितीयपत्रम् | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः। | १० | - | - |

५/२/२३

कक्षा - शास्त्री
विषय - (अनिवार्य संस्कृतम्)
लघुसिद्धान्तकौमुदी II


सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : तृतीयम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यविषयाः- लघुसिद्धान्तकौमुदी | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|--|-------------|-------------|-------------|
| 203 | तृतीयम् | | पाठ्यांशः | १०० | ९० होराः | ०४ |
| | | १ | विभक्त्यर्थप्रकरणम् स्त्रीप्रत्ययप्रकरणञ्च | २० | - | १ |
| | | २ | केवलसमास-अव्ययीभावसमास-तत्पुरुषसमासावबोधनम् | २० | - | १ |
| | | ३ | बहुब्रीहिसमास-द्वन्द्वसमासावबोधनम् | २० | - | १ |
| | | ४ | साधारण-अपत्यर्थ-चातुरार्थिक-मत्वर्थीयप्रकरणावबोधनम् | २० | - | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | - | - |

सहायक पुस्तकानि -

- | | |
|---|---|
| 1. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - स्वामीगोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |
| 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली |
| 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, 537 लाजपत राय मार्केट, नई दिल्ली |
| 4. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली |
| 5. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - गीताप्रेस, गोरखपुर |
| 6. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टलिया, नई दिल्ली |
| 7. लघुसिद्धान्तकौमुदी | - डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, नई दिल्ली |
| 8. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-15 व्याकरण) | - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ |
| 9. व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः | - डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |
| 10. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास | - श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |

 24/02/2023

कक्षा- शास्त्री

विषय: - साहित्यम् (अनिवार्यसंस्कृतम्)

सत्रार्द्धम् - द्वितीय

पत्रम् - चतुर्थम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः चन्द्रालोकः (कविजयदेव प्रणीतः) | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|--|-------------|-------------|-------------|
| 204 | तृतीयम् | | पाठ्यांश | १०० | १० होराः | ०४ |
| | | १ | चन्द्रालोकः (प्रथमः मयूखः) शब्दविचारः | २० | - | १ |
| | | २ | चन्द्रालोकः (तृतीय मयूखः) लक्षणानिरूपणम् | २० | - | १ |
| | | ३ | चन्द्रालोकः (चतुर्थः मयूखः) गुणानिरूपणम् | २० | - | १ |
| | | ४ | चन्द्रालोकः (षष्ठः मयूखः) रसाविवेचनम् | २० | - | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च ४. उपस्थितिः ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | - | - |

सहायक पुस्तकानि -

1. चन्द्रालोकः - राजेन्द्र उपाध्यायः, शारदासंस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. चन्द्रालोकः - चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. काव्यशास्त्रेतिहासः - चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का वृहद् इतिहास (काव्यशास्त्र खण्डः) - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

Handwritten signature and date:
5/2/23

कक्षा - शास्त्री

विषय: - वेद: (क्षमतासम्बद्धनम्)

आणिकसूत्रावलीवर्णित - व्यावहारिकाचारविमर्शः स्तुत्याचारविमर्शश्च

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|----------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 205.1 | पञ्चमपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | व्यवहारिकाचारविमर्शः - प्रातःकृत्यम्, सायं कृत्यम्, रात्रिक्रमस्वरूपम्, अध्ययन विमर्शः | २० | २२ | १ |
| | | २ | प्रातः स्तुतिः, दैनन्दिस्तुतिः, नवग्रहादिस्तुतिः | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- आह्निकसूत्रावलिः - गुर्जरोपाहवजनार्दनात्मजत्र्यंबकशर्मणा, नारायणसागर प्रकाशन, मुम्बई, सम्बत् १९७३
- नित्यकर्मपूजाप्रकाश - गीताप्रेस गोरखपुर
- कर्मकाण्ड मीमांसा - श्री कृष्ण चन्द भारद्वाज, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
- मन्त्रार्थचन्द्रोदय - पं. दामोदर झा, बी.के.शास्त्री ज्योतिष प्रेस, बनारस

अथवा

Akshita

कक्षा - शास्त्री

विषय: - ज्योतिषम् (क्षमतासम्बद्धनम्)

मुहूर्तचिन्तामणे: विवाहप्रकरणम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चमपत्रम्

| विषय गूडाङ्कः | प्रश्नपत्र-क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मुहूर्तचिन्तामणे: विवाहप्रकरणम् | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|----------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | अष्टौविवाहाः, भार्याप्रशंसा, विवाहफलम्, प्रश्रलम्नातविवाहयोगाः, वैधव्ययोगाः, विवाहभङ्गयोगाः, कुम्भविवाहविचारः, अश्वत्थविवाहः, विष्णुप्रतिमया विवाहः, कन्यादातारः, कन्यावरणमुहूर्ताः, वाग्दानप्रकारः, वरवरणमुहूर्ताः। | २० | २२ | १ |
| 205.2 | पञ्चमपत्रम् | २ | कन्याविवाहकालः, विवाह विहितमासाः, विवाहे मासविशेषः, जन्ममासादौ विशेषः, त्रिज्येष्ठविचारः, त्रिबलशुद्धिः अष्टकूटविचारः, (वर्ण - वश्य - तारा- योनि- ग्रहमैत्री - गण- भकूट - नाडी) दुष्टभकूटपरिहारः, दुष्टगणकूटादिपरिहारः, नाडीदोषे जपादिकम्, नाडीदोषपरिहारः। | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकग्रन्थ -

1. मुहूर्तचिन्तामणि - महीधर शर्मा, खेमराज श्रीकृष्णदास, बम्बई
2. मुहूर्तचिन्तामणि - केदारदत्त जोशी
3. श्री मुहूर्तराजः - गुलाब विजय जी महाराज
4. मुहूर्तमार्तण्डः

डॉ. अ. क. शर्मा

अथवा

कक्षा - शास्त्री
विषय: - साहित्यम् (क्षमतासम्बर्द्धनम्)
छन्दशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यविषयः - छन्दशास्त्रम् | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|----------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| 205.4 | पञ्चमपत्रम् | १ | छन्दपरिचयः, प्रकारः, गणविधानम्, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजातिः, आर्या, अपरवक्त्रः, पुष्पिताग्रा | २० | २२ | १ |
| | | २ | द्रुतविलम्बितः, भुजङ्गप्रयातः, वंशस्थः, वसन्ततिलका, मालिनी, पञ्चचामरः, पृथ्वी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडितः, | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |
| | | | | | | |

सहायकग्रन्थ -

1. छन्दोमञ्जरी, श्रीगङ्गादासः, आचार्यचित्तनारायणपाठकः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी
2. छन्दोमञ्जरी, श्रीगङ्गादासः, पं. परमेश्वरदीनः पाण्डेयः, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. श्रुतबोधः, महाकविः कालिदासः, निर्णयसागरः, प्रकाशकः, मुम्बई
4. छन्दः शास्त्रम् आचार्यः, पिङ्गलः, श्रीमद्भट्टहलायुधः,

In
5/2/23

अथवा

कक्षा - शास्त्री
विषय: - दर्शनम् (क्षमतासम्बद्धनम्)
दार्शनिकसिद्धान्तद्वारा क्षमताविकासः

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यविषयः - वेदान्तसांख्यदर्शनद्वारा क्षमताविकासः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|----------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | वेदान्तदर्शने ईश्वरसिद्धान्तः जीवनदृष्टिश्च | २० | २२ | १ |
| | | २ | सांख्यदर्शने प्रकृतिस्वरूपं तत्त्वज्ञानञ्च | २० | २३ | १ |
| 205.5 | पञ्चमपत्रम् | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकग्रन्थ -

1. वेदान्त परिभाषा - गजानन शास्त्री मूसलगांवकर, चौखम्बा प्रकाशन ।
2. ब्रह्मसूत्र शंकरभाष्य - चौखम्बा संस्कृत विद्याभवन ।
3. सांख्यतत्त्वकौमुदी - गजानन शास्त्री मूसलगांवकर, चौखम्बा प्रकाशन ।
4. सांख्यकारिका - रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा ऑरिएण्टल प्रकाशन, वाराणसी ।

शुशिकान्त तिवारी

कक्षा - शास्त्री
विषय: - वेद: (कौशलसम्बर्द्धनम्)
पौरोहित्यकर्मसार: प्रथमोभाग: (कर्मकाण्डम्)

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - पौरोहित्यकर्मसार: प्रथमोभाग: (कर्मकाण्डम्) | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| 106.1 | षष्ठपत्रम् | १ | प्रातस्स्मरणीयश्लोकाः । सन्ध्यावन्दनम् । स्वस्तिवाचनम् । देवस्तुतिः । सङ्कल्पः । गणेशाम्बिकयोः पूजनम् । पञ्चोपचार- षोडशोपचार पूजनम् । | २० | २२ | १ |
| | | २ | कलशस्थापनम् । वरुणाद्यावाहितदेवतापूजनम् । पुण्याहवाचनम् । नवग्रहशान्तिः । | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

1. पौरोहित्यकर्मसारः - पं. श्रीरमाकान्तठक्कुरेणसङ्गृहीतः, चौखम्बा-संस्कृत-संस्थानम्, वाराणसी
2. यज्ञमार्तण्डः - डॉ. कुशेश्वरझाः, वेदविद्याशोधसंस्थानम्, कोलकाता
3. नित्यकर्मपूजाप्रकाशः - गीता-प्रेस, गोरखपुर

अथवा

Assistant

कक्षा - शास्त्री
विषय: - ज्योतिषम् (कौशलसम्बद्धनम्)
जन्मकुण्डली-निर्माणम् (जन्मपत्रदीपकः)

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - जन्मकुण्डली-निर्माणम् (जन्मपत्रदीपकः) | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 106.2 | षष्ठपत्रम् | | पाठ्यांशः - (पञ्चाङ्गपरिचयतः दशासाधनपर्यन्तम्) | ५० | ४५ होराः | २ |
| | | १ | पञ्चाङ्गपरिचयः, इष्टकालसाधनम्, अभीष्टस्थानस्य- सूर्योदयसाधनम्, चालनम्, ग्रहस्पष्टीकरणम्, भयात-भभोगसाधनम्, चन्द्रस्पष्टीकरणम्, अयनांशज्ञानम्, पलभाज्ञानम्, चरखण्डसाधनम् । | २० | २२ होराः | १ |
| | | २ | लंकोदयमानानि, स्वोदयमानानि, लग्नसाधनम्, नतसाधनम्, दशमलग्नसाधनम्, ससन्धिद्वादशभावसाधनम्, विंशोपकबलसाधनम्, विंशोत्तरी-दशासाधनम्, अन्तर्दशा-साधनम् । | २० | २३ होराः | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

- | | |
|---|---|
| 1. जन्मपत्रदीपक | - डॉ. विकास/डॉ. रत्नलाल, सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस |
| 2. जन्मपत्रदीपकः | - पं. गणपति लाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर |
| 3. जन्मपत्रदीपकः | - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी |
| 4. भारतीय ज्योतिष | - नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नई दिल्ली |
| 5. भारतीयज्योतिषम् | - शिवनाथ झारखण्डी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ । |
| 6. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-16 ज्योतिष) | - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ |

डॉ. रत्नलाल

अथवा

कक्षा - शास्त्री
विषय: - दर्शनम् (कौशलसम्बद्धम्)
भारतीय-दार्शनिक-चिन्तनम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यविषयः - भारतीय-दार्शनिक-चिन्तनम् | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 106.3 | षष्ठपत्रम् | | | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | विवेकानन्दस्य दार्शनिकचिन्तनम् | २० | २२ | १ |
| | | २ | अरविन्दघोषस्य दार्शनिकचिन्तनम् | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

1. विवेकानन्द का शैक्षिक दर्शन, महेश दत्त शर्मा, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली
2. स्वामी विवेकानन्द का शिक्षा दर्शन, डा. अनुभा शुक्ला, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. महर्षि अरविन्दो, मीना मीनाक्षी, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली
4. मैं अरविन्द बोल रहा हूँ, गिरिराज सरन अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली

अथवा

शशिकान्त तिवारी

2-11/2021
20/11

कक्षा - शास्त्री
विषय: - योग: (कौशलसम्बद्धनम्)
स्वास्थ्य-अनुदेशक:

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - स्वास्थ्यवृत्तम् | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 106.4 | षष्ठपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | स्वास्थ्यस्य अर्थः परिभाषा महत्त्वञ्च , स्वास्थ्यप्रभावितकारकानि, व्यक्तिगतस्वच्छताया अर्थः महत्त्वञ्च, शरीरस्य विभिन्नाङ्गानां स्वच्छता | २० | २२ | १ |
| | | २ | योगस्य अवधारणा अर्थश्च, योगस्य ऐतिहासिकविकासः, योगस्य प्रकाराः | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

1. स्वास्थ्यवृत्तम् - शिव कुमार गौड, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली
2. स्वस्थवृत्तसूत्रसंग्रह - डॉ. सर्वेशकुमार अग्रवाल, चौखम्बा ऑरियन्टल प्रकाशन, वाराणसी
3. स्वस्थवृत्तविज्ञान - डॉ. सर्वेशकुमार अग्रवाल, चौखम्बा ऑरियन्टल प्रकाशन, वाराणसी
4. स्वस्थ विज्ञान - डॉ. सत्यदेव आर्य, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
5. स्वास्थ्य शिक्षा - कविराज हरनामदास, कविराज हरनामदास बी.ए. एण्ड सन्स, नई दिल्ली

अथवा

1/2/23

कक्षा - शास्त्री
विषय: - सङ्गणक: (कौशलसम्बर्द्धनम्)
सङ्गणकस्य प्रारम्भिक-ज्ञानम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - सङ्गणकस्य प्रारम्भिक-ज्ञानम् | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 106.5 | षष्ठपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई)- सङ्गणकस्य प्रारम्भिक-ज्ञानम् | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | Computers fundamentals, Operating System, Microsoft Office, M.S.Word, M.S.Excel, M.S.Power Point. | २० | २२ | १ |
| | | २ | Internet Technology, Practical Work M.S.Office, Practical Work M.S.Excel. | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

अथवा

५/३/२३

कक्षा - शास्त्री

विषय: - वेद: (कौशलसम्बद्धनम्)
पौरोहित्यकर्मसार: द्वितीयोभाग: (कर्मकाण्डम्)

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - पौरोहित्यकर्मसार: द्वितीयोभाग: (कर्मकाण्डम्) | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | षोडशमातृपूजनम्, सप्तगृतमातृपूजनम्, षडविनायकपूजनम्, अग्निस्थापनम्, सामान्य होम विधि, बलिदानम्, वसोद्धारा पूर्णाहुतिश्च | २० | २२ | १ |
| | | २ | रूद्राभिषेकपूजनम्, गृहारम्भविधि, गृहप्रवेशपूजनञ्च | २० | २३ | १ |
| 206.1 | षष्ठपत्रम् | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- 1) पौरोहित्यकर्मसारः - पं. श्रीरामकान्तठक्कुरेणसङ्गृहीतः, चौखम्बा-संस्कृत- संस्थानम्, वाराणसी
- 2) यज्ञमार्तण्डः - डॉ. कुशेश्वरझाः, वेदविद्याशोधसंस्थानम्, कोलकाता
- 3) नित्यकर्मपूजाप्रकाशः - गीता-प्रेस, गोरखपुर
- 4) वर्षकृत्यम् - पं. रामचन्द्र झा, चौखम्बा-संस्कृत-संस्थानम्, वाराणसी

अथवा

Anushka

कक्षा - शास्त्री
विषय: - ज्योतिषम्

चमत्कारचिन्तामणे: सूर्यादिनवग्रहाणां लग्नादिद्वादशभावेषु फलविज्ञानम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - चमत्कारचिन्तामणिः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः- चमत्कारचिन्तामणे: भावफलविचारः | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | सूर्य-चन्द्र-भौम-बुधग्रहाणां लग्नादिद्वादशभावेषु फलविचारः | २० | २२ | १ |
| 206.2 | षष्ठपत्रम् | २ | जीव-शुक्र-शनि-राहु-केत्वादिग्रहाणां लग्नादिद्वादशभावेषु फलविचारः | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- चमत्कारचिन्तामणिः - ब्रजबिहारी लाल शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, नवदेहली
- चमत्कारचिन्तामणिः - पं. राजाराम ज्योतिषी, तेजकुमार बुकडिपो, लखनऊ
- भावप्रकाश - जीवनाथ झा,
- भावकुतुहलम् - जीवनाथ झा
- जातकाभरणम् - दुण्डीराज
- सारावली - कल्याण वर्मा
- बृहतपाराशरहोराशास्त्र - पाराशर मुनि
- बृहज्जातक - वराहमिहिर

डॉ. राजाराम

कक्षा - शास्त्री

विषय: - वेदः

ईशावास्योपनिषदः अनुसारं जीवनदर्शनम्

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : सप्तमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - ईशावास्योपनिषदः अनुसारं जीवनदर्शनम् | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | ईशावास्योपनिषदः - १-९ मन्त्राः | २० | २२ | १ |
| | | २ | ईशावास्योपनिषदः - १०-१८ मन्त्राः | २० | २३ | १ |
| 107.1 | सप्तमपत्रम् | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- 1) ईशावास्योपनिषद् - डॉ. दीपककुमारः, चौखम्बा -संस्कृत- प्रतिष्ठानम्, दिल्ली
- 2) ईशावास्योपनिषद् - गीता-प्रेस, गौरखपुर

Anetra

अथवा

कक्षा - शास्त्री
विषय: - ज्योतिषम्
अवकहडाचक्रम् (ज्योतिषशास्त्रस्य प्रारम्भिकज्ञानम्)

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : सप्तमपत्रम्

| गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - अवकहडाचक्रम् (ज्योतिषशास्त्रस्य प्रारम्भिकज्ञानम्) | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 107.2 | सप्तमपत्रम् | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होराः | २ |
| | | १ | वारनामानितः - राशीनां नामानि पर्यन्तम् । चन्द्राशिक्रमतः - तिथिगण्डान्तविचारपर्यन्तम् । अमृतसिद्धियोगतः - कालयोगपर्यन्तम् । | २० | २२ होराः | १ |
| | | २ | योगिनीवासविचारतः - ग्रहाणां विशेषदृविचारपर्यन्तम् । गर्भाधानमुहूर्त्ततः - अभिजिन्मुहूर्त्तपर्यन्तम् । | २० | २३ होराः | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

- | | |
|---|---|
| 1) जन्मपत्रदीपक | - डॉ. विकास/ डॉ. रत्नलाल, सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस |
| 2) जन्मपत्रदीपकः | - पं. गणपति लाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर |
| 3) जन्मपत्रदीपकः | - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी |
| 4) भारतीय ज्योतिष | - नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नई दिल्ली |
| 5) भारतीयज्योतिषम् | - शिवनाथ झारखण्डी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ । |
| 6) संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-16 ज्योतिष) | - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ |

अथवा

डॉ. रत्नलाल

कक्षा - शास्त्री
विषय: - दर्शनम्
श्रीमद्भगवद्गीता-अद्वैतदर्शनानुसारं मूल्य-रक्षा

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : सप्तमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यविषयः - श्रीमद्भगवद्गीता-अद्वैतदर्शनानुसारं मूल्य-रक्षा | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 107.3 | सप्तमपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं मानवमूल्यरक्षा (षोडशतः अष्टादशाध्यायपर्यन्तम्) | २० | २२ | १ |
| | | २ | अद्वैतवेदान्तदृष्ट्या आत्मसंतुष्टेरूपायाः | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सन्दर्भ ग्रन्थ-

- 1) श्रीमद्भगवद्गीता - गीताप्रेस गोरखपुर
- 2) श्रीमद्भगवद्गीताविज्ञानभाष्यम् (मधुसूदनी टीका) - डॉ. गणेश लाल सुधार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
- 3) अद्वैतवेदान्त इतिहास तथा सिद्धान्त - ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली
- 4) अद्वैतवेदान्त में नीति और धर्म - डॉ. तपस्या उपाध्याय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन
- 5) अद्वैतवेदान्त में तत्त्व और ज्ञान - डॉ. उर्मिला शर्मा
- 6) वेदान्त दर्शन - आचार्य श्रीराम शर्मा
- 7) सर्ववेदान्त सिद्धान्त सार-संग्रह - नन्दलाल दशोरा
- 8) भारतीयदर्शन- बलदेव उपाध्याय - चौखम्बा संस्कृत सीरिज
- 9) वेदान्तसार- डॉ. बदरीनाथ शुक्ल - चखम्बा ओरिएन्टल प्रकाशन
- 10) सर्वदर्शनसंग्रह- डॉ. माधव जनार्दन रटाटे - भारती विद्या प्रकाशन

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता-अद्वैतदर्शनानुसारं मूल्य-रक्षा

कक्षा - शास्त्री

विषय: - वेदः

तैत्तिरीयोपनिषदोऽनुसारनैतिकशिक्षा (प्रथमोऽभागः)

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : सप्तमपत्रम्

| विषय गूडाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - तैत्तिरीयोपनिषदोऽनुसारनैतिकशिक्षा (प्रथमोऽभागः) | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 207.1 | सप्तमपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | शास्त्रोक्त सदाचारपालननिर्देशः विद्याप्राप्त्युपायः | २० | २२ | १ |
| | | २ | परमात्मनः शासनव्यवस्थायाम् आनन्दानुभूतिः गृहस्थधर्ममाहात्म्यम् | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

१. ईशादि नौ उपनिषद् - गीता-प्रेस, गौरखपुर
२. तैत्तिरीयोपनिषद् - गीता-प्रेस, गौरखपुर

Krishna

अथवा

कक्षा - शास्त्री
विषय: - मुहूर्तम्
मुहूर्तचिन्तामणौ संस्काराः

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : सप्तमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मुहूर्तचिन्तामणिः | पूर्णा ङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|--|-----------------|----------|-------------|
| 207.2 | सप्तमपत्रम् | | मुहूर्तचिन्तामणि-ग्रन्थानुसारेण संस्काराः | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | गर्भाधानमुहूर्तः , सीमन्तसंस्कारः , गर्भमासानामधिपाः , पुंसवनमुहूर्तः , जातकर्मनामकरणमुहूर्तः सूतिकास्नानमुहूर्तः , दन्तोत्पत्तिफलम् , सूतिकायाः जलपूजामुहूर्तः, अन्नप्राशनमुहूर्तः , भूम्युपवेशनमुहूर्तः । | २० | २२ | १ |
| | | २ | कर्णविधमुहूर्तः , शुभकार्ये निषिद्धकालः , मुण्डनमुहूर्तः , चौलेदुष्टतारापवादः , विद्यारम्भमुहूर्तः, व्रतबन्धमुहूर्तः , गुरुदोषापवादः , उपनयनमुहूर्तः , प्रदोषलक्षणम् ब्रह्मोदनसंस्कारः , वेदक्रमेण नक्षत्राणि पुष्पिण्यां मातरि परिहार , छुरिकाबन्धनमुहूर्तः , केशान्तसमावर्तनयोमुहूर्तः । | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्काः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०२ | १० | - | - |

सहायकग्रन्थ -

- | | |
|---------------------|--|
| 1) मुहूर्तचिन्तामणि | -महीधर शर्मा, खेमराज श्रीकृष्णदास, बम्बई |
| 2) मुहूर्तचिन्तामणि | - केदारदत्त जोशी |
| 3) श्री मुहूर्तराजः | - गुलाब विजय जी महाराज |
| 4) मुहूर्तमार्तण्डः | |

डॉ. श्री शर्मा